

**हँसुली स्त्री.** (देश.) हँसली।

**हँसोड़ वि.** (देश.) 1. ठहाके लगाकर खूब जोर-जोर से हँसने-हँसाने वाला 2. दूसरों को खूब हँसाने वाला।

**हँसोहा वि.** (देश.) 1. हँसी से भरा हुआ, हँसता हुआ, हँसोही सूरत वाला 2. हँसने वाला।

**ह पुं.** (तत्.) 1. शिव 2. विष्णु 3. चंद्रमा 4. जल 5. आकाश 6. स्वर्ग 7. शून्य 8. ब्रह्म 9. आनंद 10. अस्त्र 11. हास, हँसी 12. ज्ञान 13. गर्व 14. युद्ध 15. आह्वान 16. ध्यान 17. धारणा 18. प्रसिद्धि 19. निंदा 20. रक्त, रुधिर 21. अश्व, घोड़ा।

**हअना स.क्रि.** (देश.) 1. हनन करना, मार डालना 2. नष्ट करना 3. आश्चर्य चकित होना।

**हई पुं.** (देश.) घुड़सवार, घोड़े पर सवारी करने वाला।

**हउँ सर्व.** (देश.) 1. देश में 2. अ.क्रि. वर्तमान कालिक क्रिया 3. पुं. एक वचन का रूप- हूँ।

**हए क्रि.अ.** (देश.) झुक गए।

**हक पुं.** (अर.) 1. जो धर्म या न्याय की दृष्टि से उचित हो, ठीक हो 2. न्यायसंगत या उचित बात 3. अधिकार 4. किसी काम को करने-करने का अधिकार 5. न्याय या प्रथा-परंपरा से मिलने वाला हक या अधिकार 6. परमात्मा, ईश्वर।

**हकतलफी स्त्री.** (अर.) किसी के हक या अधिकार पर दिया गया आघात।

**हकदार पुं.** (अर.) जिसे किसी कार्य का या वस्तु का कोई भी हक प्राप्त हो, स्वत्व या अधिकार रखने वाला।

**हकनाहक अव्य.** (अर.) 1. उचित-अनुचित के विचार बिना, जबरन, जबरदस्ती, धींगा मस्ती से 2. बिना किसी कारण के, व्यर्थ।

**हक-परस्त वि.** (अर.+फा.) 1. ईश्वर को मानने वाला, आस्तिक 2. न्याय एवं सत्य का पक्षधर।

**हक-बक वि.** (अनु.) हक्का-बक्का, आश्चर्य चकित, स्तब्ध।

**हक-बकाना अ.क्रि.** (अनु.) किसी भी आश्चर्यजनक बात पर स्तंभित होना, भौंचक्का होना।

**हक-मालिकाना पुं.** (अर.+फा.) किसी चीज, वस्तु या पदार्थ के मालिक होने के कारण प्राप्त होने वाला हक।

**हक-मौरूसी पुं.** (अर.) पैतृक परंपरा से प्राप्त होने वाला अधिकार।

**हकला वि.** (देश.) रुक-रुक या अटक-अटक कर बोलने वाला, हकलाने वाला।

**हकलाना अ.क्रि.** (अनु.) 1. रुक-रुक कर बोलना, अटक-अटक कर बोलना 2. जीभ के गति से न चलने के कारण बोलते समय बीच बीच में अटकना।

**हकलापन पुं.** (देश.) हकलाने या हकला हो जाने की अवस्था, हकलेपन का भाव।

**हकलाहट स्त्री.** (देश.) हकलापन।

**हकलाहा वि.** (देश.) हकला।

**हक-शफा पुं.** (अर.) जमीन, मकान आदि संपत्ति खरीदने का वह हक, जो गाँव के हिस्सेदारों या पड़ोसियों को पहले से प्राप्त हो, पूर्व-क्रय।

**हक-शिनास वि.** (अर.+फा.) सत्य एवं न्याय आदि का पक्षधर, पालक या समर्थक।

**हक-शुफा पुं.** (अर.+फा.) हक-शफा।

**हकार पुं.** (तत्.) 'ह' अक्षर, 'ह' वर्ण।

**हकारत स्त्री.** (अर.) 1. हकीर अर्थात् तुच्छ होने की अवस्था, तुच्छ होने का भाव, तुच्छता 2. किसी तुच्छ वस्तु के प्रति प्रकट होने वाला घृणा-भाव जैसे- हकारत की नजर से देखना, तुच्छ मानकर देखना।

**हकारना स.क्रि.** (देश.) 1. पाल तानना, पाल खड़ा करना 2. झंडा या निशान उठाना।

**हकाहक वि.** (अनु.) घोर युद्ध, भीषण युद्ध, भयानक युद्ध।

**हकीकत स्त्री.** (अर.) 1. वस्तुस्थिति, वास्तविक स्थिति, सच्ची या असली बात, वास्तविकता 2.